एसएमएस अस्पताल में कार्डियक सेंटर के लिए बेसमेंट खुदाई से 9 दुकानें बुरी तरह क्षतिग्रस्त

जे.डी.ए. के इंजीनियर और रामा कंस्ट्रक्शन कंपनी ने बिना सुरक्षा इंतजाम खुदाई की थी, इसी लापरवाही से हुआ हादसा

सवाई मानसिंह अस्पताल में निर्माणाधीन कार्डियक सेंटर में पानी के टैंक निर्माण के लिए खुदाई से क्षतिग्रस्त हुई दुकान।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। सवाई मानसिंह अस्पताल में निर्माणाधीन कार्डियक सेंटर में पानी के टैंक निर्माण के लिए खुदाई से नजदीक बनी 9 दुकानें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। दुकानों में बड़ी बड़ी दरारें आ गई है, सभी दुकानें गिरने की कगार पर है। गनीमत रही कि बड़ा हादसा टल गया और जान माल का नुकसान नहीं हुआ।

यह पूरा कारनामा जेडीए के इंजीनियर्स और बिल्डिंग निर्माण कर रही रामा कंस्ट्रक्शन कंपनी की लापरवाही के कारण हुआ है। इन्होंने बिना किसी सुरक्षा इंतजाम बेसमेंट खुदाई कर डाली, अब चुप्पी साधे बैठे है। बताया जा रहा है कि बिल्डिंग में तीन दुकानों को खाली करवाया गया है। उसमें लोगों की आवाजाही पर पूर्णतया रोक लगा दी गई है।

इस संबंध में पीड़ित दुकान मालिक डॉ. महावीर सिंह नाथावत ने बताया कि सवाई मानसिंह अस्पताल में कार्डियक टावर का निर्माण चल रहा है, यहां पर पानी के टैंक बनाने के लिए 4-5 दिन से खुदाई चल रही थी।

- **इन 9 दुकानों में बड़ी बड़ी दरारें आ गई है, नींव तक क्षतिग्रस्त है। इसके बावजूद जेडीए के अफसर दुकानें ठीक करवाने का लिखित आश्वासन नहीं दे रहे**

शनिवार को अचानक लापरवाही से खुदाई किए जाने के कारण उनकी दुकानों की बिल्डिंग की नींव हिल गई और दीवारें क्षितग्रस्त हो गई। अचानक यह स्थिति देखकर उनके होश उड़ गए। बिल्डिंग में बनी 9 दुकानों से स्टाफ व लोग सड़क पर आकर खड़े हो गए। यूं लगा कि दुकानें अभी गिरेंगी।

इस पर पुलिस को मामले की सूचना दी तो, उन्होंने तीन दुकानों को गिरने की आशंका के चलते खाली करवा दिया है। इनमें से 2 दुकान तो मेरी है। इस घटना की जानकारी अस्पताल प्रशासन को दी तो, उसने क्षतिग्रस्त दीवारों को ठीक करवाने की एकबारगी तो हामी भर दी लेकिन बाद में कोई खैर-खबर नहीं ली। वहीं इस मामले में एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. दीपक माहेश्वरी का कहना है कि कार्डियक टावर का निर्माण जेडीए प्रशासन करवा रहा है, उसके अधिकारी ही इस मामले को देखेंगे। जेडीए के अफसर मौखिक तौर पर तो क्षतिग्रस्त दुकानों को ठीक करवाने की बात कह रहे हैं परंतु हम चाहते हैं कि जेडीए प्रशासन लिखित में हमें आश्वासन दें। इसी कार्डियक सेंटर के निर्माण से प्रभावित एक डेयरी बूथ को जेडीए ने तोड़ा है तो उसे भी लिखित में दुबारा डेयरी बूथ बनवाने का आश्वासन दिया है, हमारी मांग भी जायज है। अगर जेडीए प्रशासन मनमानी करता है तो हमें मजबूरन कोर्ट की शरण लेनी पड़ेगी।

उधर जब इस बारे में हमारे संवाददाता ने जेडीए के अभियांत्रिकी निदेशक देवेंद्र गुप्ता और अधिशाषी अभियंता से फोन पर बात करनी चाही, परन्तु दोनों ने कॉल रिसीव नहीं किया।

मकर संक्रांति पर सिटी पैलेस में "पतंग महोत्सव"

मकर संक्रांति के अवसर पर सिटी पैलेस के मुबारक महल की छत पर विदेशियों ने भी पतंग महोत्सव का आनंद लिया।

जयपुर। मकर संक्रांति के अवसर पर सिटी पैलेस के मुबारक महल की छत पर पतंग महोत्सव उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। देशी-विदेशी पर्यटकों ने सिटी पैलेस से शहर की मशहूर पतंगबाजी का आनंद उठाया। उत्सव में पर्यटकों के लिए निशुल्क पतंग और डोर की व्यवस्था की गई थी। इसका उदेश्य गुलाबी शहर की पतंगबाजी की प्राचीन परम्परा और संस्कृति को बनाये रखने और शहर में आने वाले पर्यटकों को भारतीय संस्कृति से रूबरू कराना है। इस अवसर पर महाराजा सवाई मानसिंह द्वितीय संग्राहलय की कार्यकारी ट्रस्टी रमा दत्त भी उपस्थित रहीं।

उत्सव के दौरान राजस्थानी लोक गायक द्वारा पारंपरिक राजस्थानी गीतों की प्रस्तुति दी गई। पर्यटकों और आगंतुकों ने पतंग उड़ाने के साथ-साथ पारंपरिक व्यंजनों जैसे दाल की पकौड़ी और तिल के लड्डुओं का भी लुत्फ उठाया।

- **इस वर्ष भी तितली के आकार की बड़ी फाइटर-काइट तुक्कल प्रदर्शित**
- **पर्यटकों ने जयपुर की पतंगबाजी के साथ पकोड़ी एवं तिल के लड्डुओं का लिया आनंद**

इस वर्ष भी सिटी पैलेस के सर्वतोभद्र चौक में एचएच. महाराजा सवाई राम सिंह द्वितीय के समय (1835-1880) की विभिन्न प्रकार की चरखियों के साथ तितली के आकार की एक बड़ी पतंग तुक्कल भी प्रदर्शित की गई। यह पतंग पर्यटकों के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र रही।

गौरतलब है कि तुक्कल पतंग एक विशेष प्रकार की फाइटर-काइट है, जो कि एचएच. महाराजा सवाई राम सिंह द्वितीय के समय से बहुत ही लोकप्रिय है। उस समय की विशेषता थी कि पूर्व राजा- महाराजा मखमल से बनी पतंगें और सूत से बने धागों से पतंगे उड़ाया करते थे। इसे आकर्षक बनाने के लिए इनमें सोने-चांदी के घुंघरू भी लगाई जाती थी। ये पतंगे जहां भी घिरती थीं, वहां से लाने के लिए घुड़सवारों को भेजा जाता था। जो भी घुड़सवार ये पतंग ढूंढ कर लाता था, उन्हें पुरस्कृत किया जाता था।

मुख्यमंत्री आवास पर आज आयोजित होगा "जल संचय-जन भागीदारी" विषय पर संवाद कार्यक्रम

केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल रहेंगे मुख्य अतिथि

जयपुर। कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के अंतर्गत "जल संचय- जन भागीदारी" विषय पर एक संवाद कार्यक्रम बुधवार शाम को मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जयपुर शहर के 200 उद्यिमयों, समाजसेवियों और प्रतिष्ठित व्यक्तियों से संवाद कर उन्हें प्रदेश को जल आत्मनिर्भर बनाने की अभिनव पहल से जुड़ने के लिए प्रेरित करेंगे। इससे पूर्व बुधवार शाम को ही राजकीय महाविद्यालय सांगानेर में आयोजित कार्यक्रम में सांगानेर विधानसभा क्षेत्र में वर्षा जल संचयन के कार्यों का भूमि पूजन कर शुभारम्भ किया जाएगा।

गत अक्टूबर माह में सूरत में केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल द्वारा शुरू किया गया यह

- **राजकीय महाविद्यालय सांगानेर में सांगानेर विधानसभा क्षेत्र के वर्षा जल संचयन कार्यों का शुभारम्भ होगा**

कार्यक्रम पूरे देश में जल संचयन में जनभागीदारी का प्रेरणास्त्रोत बनता जा रहा है। गुजरात सहित दूसरे राज्यों में रह रहे राजस्थानी व्यवसायी राजस्थान में अपने-अपने गृह जिले में जल संचयन कार्य में जुड़ने के लिए आगे आ रहे हैं। स्थानीय भामाशाहों को साथ लेकर भी ग्रामीण क्षेत्रों में रिचार्ज शाफ्ट संरचनाओं का निर्माण करवाया जा रहा है।

कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान का उद्देश्य वर्षाजल संचय के द्वारा प्रदेश में भूजल स्तर की गिरावट को रोकना है। शुरुआती स्तर पर इस अभियान में सिरोही, पाली, जोधपुर, भीलवाड़ा, झुंझुनूं और जयपुर जिलों को जोड़ा गया है।

उल्लेखनीय है कि भूजल पर अत्यधिक निर्भरता के कारण 216 पंचायत समितियां यानी प्रदेश का 72 प्रतिशत भाग अतिदोहित श्रेणी में आ गया है, जिसमें भूजल की गुणवत्ता भी खराब हुई है। इस अभियान से भूजल स्तर में गिरावट रोकने के साथ-साथ घरेलू उपयोग तथा कृषि कार्यों के लिए जल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकेगी। अभियान में पर्यावरण अनुकूल रिचार्ज शाफ्ट संरचनाओं से व्यर्थ बह जाने वाले वर्षा जल और भाप बन कर उड़ जाने वाले सतही जल की एक-एक बूंद के संचय, संग्रहण एवं पुर्नभरण पर फोकस किया जाएगा।

गौशालाओं में गायों को खिलाए छप्पन भोग

जयपुर। मकर संक्रांति पर लोगों ने गोशाला में गायों को हरा चारा खिलाकर पुण्य कमाया। विशेष रूप से गौसेवा में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। श्री पिंजरापोल, दुर्गापुरा सहित प्रमुख गौशालाओं जैसे जय सिंह गौशाला दान-पुण्य के लिए विशेष व्यवस्था की गई। लोगों ने गौशालाओं की व्यवस्था के लिए नकद राशि भी दी। श्री पिंजरापोल, सांगानेर की जोतड़ावाला गौशाला में लोगों ने गोवंश को हरा चारा, दलिया और गुड़ खिलाकर पुण्य कमाया। कई श्रद्धालुओं ने तुलादान भी किया।

जयपुर पुलिस ने झालना कच्ची बस्ती के बच्चों से साथ मनाई मकर संक्रांति

जयपुर पुलिस कमिश्नर ने झालाना कच्ची बस्ती के बच्चों को पतंगें बांटी।

जयपुर। पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसेफ, अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर योगेश दाधीच और पुलिस उपायुक्त पूर्व तेजस्वनी गौतम ने आज सुबह झालना कच्ची बस्ती पहुँच कर नन्हे बच्चों के साथ मकर संक्रांति की शुरुआत की। बच्चों का हुजूम "पुलिस अंकल मुझे पीले रंग की पतंग चाहिए, पुलिस आंटी मुझे ब्लू रंग वाली चकरी दो" की आवाज़ों से गूंजी बस्ती देखते ही बनती थी। पुलिसिंग विद ए सोशल कॉज़ शायद इसे ही कहते हैं। पतंग माँझे और लड्डू पाकर बच्चों की मुस्कान देखते ही बनती थी। पुलिस आयुक्त ने सभी को मकर सक्रान्ति की बहुत बहुत शुभकामनाएँ दी। खारवाल बस्ती गलता गेट इलाके में भी जयपुर पुलिस ने बच्चों को पतंग और डोर वितरित किये। कार्यक्रम में पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसफ, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त योगेश दाधीच, उत्तर राशि डोगरा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जिलास्तरीय जनसुनवाई एवं समाधान कार्यक्रम कल

जयपुर। जनभावना के अनुरूप पारदर्शी एवं संवेदनशील वातावरण में आमजन की परिवेदनाओं एवं समस्याओं की सुनवाई एवं त्वरित समाधान के लिए 16 जनवरी को जिला स्तरीय जनसुनवाई एवं समाधान कार्यक्रम आयोजित होगा। जिला कलक्ट्रेट सभागार में प्रात: 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित होने वाले जनसुनवाई कार्यक्रम में जिले के जनप्रतिनिधि एवं समस्त संबंधित विभागों के जिलास्तरीय अधिकारी भाग लेंगे। जिलास्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम में वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से मुख्य सचिव या प्रभारी सचिव भी जुड़ेंगे। जिले के सभी उपखण्ड अधिकारी सहित सभी ब्लॉक स्तरीय अधिकारी भी वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से हिस्सा लेंगे।

जयपुर वासियों ने विशिंग लांटर्न्स छोड़कर मांगी दुआएं

जयपुर। प्रतिवर्ष की तरह मकर संक्रांति की शाम को जयपुर वासियों ने रंग बिरंगी लालटेन छोड़कर जयपुर के आकाश को जगमगा दिया। लाखों की संख्या में विशिंग लैंटर्न छोड़कर जयपुर वासियों ने नववर्ष के लिए अपनी विशेज को मांगा, उल्लेखनीय है की दुनिया की कई देशों में लालटेन को विशिंग लालटेन भी कहते हैं एवं ऐसा माना जाता है कि इस छोड़ते वक्त जो दुआएं मांगी जाए ईश्वर उन्हें जल्दी सुनता है।

जयपुर लांटर्न फेस्टिवल की और से मुख्य समारोह मालवीय नगर स्थित केवलियो ग्राउंड में किया गया जहां दिन भर काइट फेस्टिवल चला एवं अंत में लोगों ने विशिंग लांटर्न्स छोड़कर कार्यक्रम का रंगीन समापन किया।

पतंगबाजी से घायल 150 पक्षियों का उपचार किया

जयपुर। राजस्थान जनमंच ट्रस्ट पक्षी चिकित्सालय ओर से मकर सक्रांति पर पतंगबाजी से घायल पक्षियों के उपचार के लिए जयपुर शहर के 22 स्थानों पर स्थापित घायल पक्षी सहायता केन्द्रों पर लगभग 150 पक्षियों का उपचार किया गया।

संस्था के महासचिव कमल लोचन ने बताया कि सभी सहायता केन्द्रों पर योग्य चिकित्सकों और कर्मचारियों का माकूल प्रबंध किया गया था। सभी केंद्र 15 जनवरी तक प्रात: दस बजे से शाम को पांच बजे तक कार्यरत होंगे। यूथ विंग के अध्यक्ष एडवोकेट रवि खत्री ने बताया कार्यकर्ताओं ने घर घर जाकर लोगों को चाइनीज मांझे का उपयोग नहीं करने के साथ प्रशासन द्वारा वर्जित समय में पतंगबाजी नहीं करने के लिए जागरूक किया। बहुत से लोग स्वयं घायल पक्षियों को लेकर केंद्रों पर आये।

राष्ट्र निर्माण में पूर्व सैनिकों का अहम है योगदान : राज्यपाल

जयपुर मिलिट्री स्टेशन में पूर्व सैनिक दिवस समारोह

जयपुर। सप्त शक्ति कमांड ने आज जयपुर मिलिट्री स्टेशन में "वेटरन्स डे2025" का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के माध्यम से स्टेशन के सभी पदों ने पूर्व सैनिकों व वीर नारियों के बलिदान को सम्मानित किया।

जयपुर के प्रेरणा स्थल पर राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े और लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह, आर्मी कमांडर, सप्त शक्ति कमांड के द्वारा भूतपूर्व सैनिकों को पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए उनके द्वारा किए गए अमूल्य योगदान को याद कर उनकी सराहना की गई। सप्त शक्ति ऑडिटोरियम में हुए कार्यक्रम में राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े और लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह,आर्मी कमांडर, सप्त शक्ति कमांड ने पूर्व सैनिकों और वीर नारियों को सम्मानित किया।

दरअसल, 14 जनवरी1953 को भारतीय सेना के पहले कमांडर-इन-चीफ, फील्ड मार्शल के.एम.करिअप्पा, ओबीई, सैन्य सेवा से सेवानिवृत्त हुए थे। उन्हीं की याद में 2017 से यह दिन

सप्त शक्ति कमांड ने मंगलवार को जयपुर मिलिट्री स्टेशन में "वेटरन्स डे2025" का आयोजन किया। कार्यक्रम में राज्यपाल ने पूर्व सैनिकों व वीर नारियों के बलिदान को सम्मानित किया।

वेटरन्स डे के रूप में मनाया जाता है। कार्यक्रम में राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा कि हम अपने पूर्व सैनिकों के आभारी है जिन्होंने देश की सेवा में अपना अमूल्य योगदान दिया है। हमारे पूर्व सैनिकों ने 1947, 1965, 1971 और 1999 के युद्धों में बड़े ही साहस का प्रदर्शन किया। इसके आलावा, देश में आपातकालीन परिस्तिथियों में भी उनका भरपूर योगदान रहा है। राजस्थान के वीर सैनिकों का देश की सेवा में अहम योगदान है।

कार्यक्रम में सप्त शक्ति कमांड के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने अपने संबोधन में राष्ट्र निर्माण में वेटरन्स और वीरनारियों की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की। उन्होंने शिक्षा, उद्योग, संचार और समाज के समग्र विकास के लिए वेटरन्स के बहुमूल्य योगदान को भी सराहा। उन्होंने बताया की यह दिन हमें अपने वेटरन्स को श्रद्धांजलि देने और उनके बलिदानों को याद करने का अवसर प्रदान करता है।

उनहोंने कहा, पूर्व सैनिकों ने राष्ट्र निर्माण में अपार योगदान दिया है। सैन्य जीवन के अनुशासन और उच्चतम मूल्यों के साथ-साथ, पूर्व सैनिक समाज में समृद्ध परंपराओं, गौरवमयी इतिहास और अपूर्व वीरता का प्रतीक बनकर एक आदर्श के रूप में सामने आते हैं। सप्त शक्ति कमान ने ज्ञान शक्ति थिंक टैंक की स्थापना की है। इसके माध्यम से पूर्व सैनिकों के अनुभव और विशेष योग्यता का लाभ डिफेन्स व उद्योग सेक्टर की प्रगति में हो रहा है। वहीं आज पूर्व सैनिक शिक्षा, संचार, स्वास्थ्य समेत कई क्षेत्रों में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उनके प्रयासों को कई मौकों पर सम्मानित किया जाता है।

सप्त शक्ति कमांड ने हमारे पूर्व सैनिकों और वीर नारियों के कल्याण के लिए कई पहलों की शुरुआत की है। इसमें रोजगार मेलों, ईएसएम रैलियों औरआउटरीच कार्यक्रमों को शामिल किया गया है। सतत मिलाप टीमें पूर्व सैनिकों और वीर नारियों से जुड़ी हुई हैं और बड़ी तादाद में समस्याओं का समाधान कर चुकी हैं। वर्तमान दक्षिण पश्चिम कमान में 14 सैनिक सहायता केंद्र कार्यरत हैं, जो फोन, इंटरनेट, एसएमएस के माध्यम से पूर्व सैनिकों से जुड़े हुए हैं। इन्होंने पिछले दो महीनों में 90 समस्याओं का समाधान किया है। पूर्व सैनिक कैंटीन, ईसीएचएस पोलिक्लिनिक्स और पेशेंट ट्रांजिट सुविधा की स्थापना जैसे प्रयास भी पूर्व सैनिकों और वीर नारियों को सुविधा प्रदान करने के लिए किये गए है।